क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 40, सोमवार, 04 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनियत्रित हुई बस और जा घुसी नंदी में एक की मौत अनेक लोगों घायल

विशाल रजक तेन्दूखेडा/दमोह। रविवार दोपहर लगभग एक बजे के करीब मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर दमोह जबलपुर मार्ग पर बस पलटने की सूचना मिली बाद में जब ग्राम के लोगों ने मौके पर पहुचकर देखा तो हर्रई पुल के नीचे एक बस पानी में पलटी पडी थी जो मुस्कान कंपनी की बस थी और नियमित की तरह आज दमोह से जबलपुर जा रही थी सूचना मिलने के बाद तेजगढ पुलिस के साथ तेन्दूखेडा एसडीओपी अशोक चौरसिया भी मौके पर पहुचे जहां डायल 100 और जबेरा की 108 की मदद से बस में सवार घायलों को निकालकर तेन्दूखेडा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया वहीं जानकारी मिल रही है कि बस में एक या दो आदमी अभी दबे हुए हैं जिनको निकलने का प्रयास किया जा रहा है वहीं घटना के संबंध में मौजूद लोगों के साथ आसपास के लोग कह रहे हैं कि इस हादसे के लिए सडक के गड्ढे जिम्मेदार है जिससे बस का चक्का गड्ढों में जाने से स्टेरिंग रॉड टूट गई और बस सीधी नंदी में जा पलटी

कल भी हुआ था हादसा चार लोग हुये थे घायल

बस पलटने की सूचना लगते ही तेन्दूखेडा नगर के सैंकडों लोग स्वस्थ केन्द्र पहुचे जिसमें कुछ बस मालिक भी थे उन्होंने इस हादसे में आक्रोश जताते हुए बताया कि एक वर्ष से भी ज्यादा समय हो गया है कई लोग अपनी इस सडक में जान गवा चुके हैं उसके बाद भी तेन्दूखेडा से अभाना तक कि सडक पर सडक कम गड्ढे ज्यादा देखते हैं जिसके कारण आज यह हादसा हुआ है और शनिवार को भी ठाकुर कंपनी की बस का टायर फटा था जिसमें चार लोग घायल हुये थे इसके अलावा पूर्व में भी अनेक घटनायें हो चुकी है जिसमें सिर्फ एक ही कारण है सिर्फ तेन्दूखेडा से अभाना तक सडक पर गड्ढे इसके बाद भी शासन प्रशासन सडक की मरम्मत कार्य नहीं किया जहा जो लोगों ने कहा कि गलत है यह बस में यह हुये घायल घटना के समय बस में चालीस से पचास यात्री सवार थे जिनमें से घटना के समय लगभग दो दर्जन से भी ज्यादा सवारियों को गंभीर चोट आई है जिनमें से जाहर यादव निवासी सांगा ने बताया कि बस का चक्का गड्ढे में जाने से अनियत्रित हुई है और सीधी पुल के ऊपर बने पहाड पर सरकती हुई सीधी नंदी में जा गिरी जिसमें लगभग दो दर्जन से भी ज्यादा लोग घायल हुए हैं और बस के नीचे भी लोग दबे हुए हैं एक या दो इसकी जानकारी अभी नहीं है बाद में पुलिस और आसपास मौजूद यात्री के साथ ग्रामीणों की मदद से बस में सवार लोगों को निकाला गया है जिनको तेजगढ डायल 100 के साथ जबेरा कि 108 की मदद से तेन्दूखेडा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया है जहां पर घायलों में बीस महिला पुरुष बच्चे सम्लित है जिनको एमएलसी कराई गई है जिसमें केराबाई बहादुर सींग गोविंद सींग सौरभ विनय नामदेव करण पतलोनी रत्नेश घोषी रामदेही अनन्री जाहर देशरानी राजकुमार महिलपाल सींग के अलावा अन्य यात्री है जो घटना के समय बस में सवार थे जिनकों उपचार हेतु तेन्दूखेडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां सभी पर सभी घायलों का उपचार किया गया है ।

सार-समाचार

जम्मू कश्मीर में बर्फबारी के बाद खुशनुमा हुआ मौसम, नजारा देख आप भी हो जाएंगे खुश

श्रीनगर:

मार्च का महीना शुरू हो गया है, लेकिन जम्मू कश्मीर में बर्फबारी लगातार जारी है. शनिवार हुई बर्फबारी ने एक बार फिर घाटी के माहौल को खुशनुमा और दिलकश कर दिया है. श्रीनगर और कश्मीर के ऊपरी इलाकों में लगातार बर्फबारी के चलते बर्फ की मोटी चादर जम गई है. जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर कई जगह भूस्खलन के चलते यातायात रोक दिया गया है.

कई जगह पर लैंडस्लाइडिंग की खबर

जम्मू डिवीजन के रामबन, बनिहाल और डोडा इलाके में कई जगह लैंडस्लाइडिंग की खबर है. भूस्खलन और बर्फबारी के बाद लोगों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. पिछले पांच दिन से बंद जम्मू श्रीनगर राष्टीय राजमार्ग पर कश्मीर की ओर जाने वाले यातायात को शनिवार को बहाल दिया गया.

वहीं, राज्य के कई हिस्सों में ताजा बर्फबारी और बारिश हुई. अधिकारियों ने बताया कि सभी मौसमों में कश्मीर को देश के शेष हिस्से से जोड़ने वाले एकमात्र मार्ग को कई जगह भूस्खलन और रामबन के निकट सड़क का एक हिस्सा धंस जाने के बाद सोमवार को बंद कर दिया गया था. तब से 270 किलोमीटर लंबे इस अहम राजमार्ग पर हजारों वाहन फंसे हुए थे.

सड़क की मरम्मत करने और फंसे हुए वाहनों को हटाने के बाद अधिकारियों ने शनिवार को जम्मू से कश्मीर जाने वाले यातायात को बहाल कर दिया. यातायात विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''वाहनों को जम्मू से श्रीनगर जाने की आज (शनिवार) सुबह अनुमति दे दी गई और आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जवाहर सुरंग तथा बनिहाल इलाकों में बर्फबारी और राजमार्ग पर बारिश के बावजूद यातायात सुचारू रूप से चल रहा था.'' उन्होंने कहा कि जवाहर सुरंग के पास जमीन पर करीब तीन इंच बर्फ जमा हो गई लेकिन इसका यातायात पर कोई असर नहीं पड़ा. हालांकि अधिकारियों ने चालकों को सावधान रहने का निर्देश दिया है.

दिल्ली-एनसीआर में भी हुई बूंदाबंदी

दिल्ली और राष्टीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शनिवार को हल्की बारिश व बूंदाबांदी हुई. मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में दिन में और बौछारें पड़ने और ओले गिरने की संभावना जताई है. बूंदाबांदी से तापमान पर कोई खास असर नहीं पड़ा. न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, "दिन में ओलावष्टि के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है."

क्कमें 38% 'माननीयों' पर आपराधिक केस, ADR की इस रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में साल 2004 से 2017 के बीच राजनीतिक दलों में दागियों की बाढ़ सी आ गई थी. कोई भी दल इनसे अछूता नहीं रहा है. ऐसा दावा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स ने अपने विश्लेषण में किया है. इस अवधि में यूपी से संसद और विधानसभा पहुंचने वाले 38 प्रतिशत माननीयों की पृष्ठभूमि आपराधिक है. एडीआर के फाउंडर सदस्य प्रो़ त्रिलोचन शास्त्री व यूपी इलेक्शन वॉच के संयोजक संजय सिंह ने शुक्रवार (01 मार्च) को राजधानी में पत्रकारों से वार्ता में बताया.

उन्होंने बताया कि 2004 से 2017 के बीच हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 19971 उम्मीदवारों व 1443 सांसदों/विधायकों की पृष्ठभूमि का विश्लेषण रिपोर्ट में किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, सपा के 42 प्रतिशत, बीजेपी के 37 प्रतिशत, बसपा के 34 प्रतिशत, कांग्रेस के 35 प्रतिशत और आरएलडी से चुनकर आए 21 प्रतिशत प्रतिनिधियों ने अपने ऊपर आपराधिक मुकदमे घोषित किए हैं. इसमें 23 प्रतिशत पर हत्या, दंगा, हत्या के प्रयास, रेप जैसे गंभीर अपराधों के मुकदमे हैं. वहीं, बार-बार चुने जाने वाले सांसदों-विधायकों की संपत्ति में कई गुना इजाफा हुआ है. विधानसभावार देखें तो 2012 में सर्वाधिक 45 प्रतिशतदागी चुनकर आए थे जबकि 2007 व 2012 में यह आंकड़ा 35 प्रतिशत रहा.

समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की संपत्ति 13 गुना बढ़ी है जबकि यूपीए संयोजक सोनिया गांधी की संपत्ति में लगभग 10 गुना का इजाफा हुआ है. भाजपा सांसद व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की संपत्ति भी पांच गुनी वृद्धि हुई है.

खुलासा : J&K में सुरक्षाबलों के राशन में जहर मिलाने की फिराक में पाक की खुफिया एजेंसी ISI : सूत्र

श्रीनगर:

जम्मू कश्मीर में तैनात भारतीय सुरक्षाबलों को लगातार आतंकियों द्वारा निशाने की कोशिश की जा रही है. 14 फरवरी को पुलवामा में आतंकियों द्वारा सीआरपीएफ की बस पर किए गए हमले के बाद आतंकी संगठनों की मदद के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की खतरनाक साजिश सामने आई है. पाक आर्मी और ISI एक बार फिर जम्मू कश्मीर में भारतीय सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं. इसके साथ ही उसके स्लीपर सेल भी इसके लिए एक्टिव हो सकते हैं. ऐसी स्थिति को भांपते हुए सुरक्षबलों को अलर्ट कर दिया गया है. किसी भी तरह की कमी नहीं बरतने के सख्त निर्देश दिए गए हैं.जम्मू-कश्मीर सरकार के आपराधिक जांच विभाग द्वारा जारी किए गए एक खुफिया नोट के बाद घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क किया है कि पाकिस्तान मिलिट्री इंटेलिजेंस और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस एजेंट कश्मीर में तैनात सुरक्षा बलों के राशन में जहर मिलाने की योजना बना रहे हैं. हमारी सहयोगी साइट WION को मिले दस्तावेजों में लिखा है, पाकिस्तान एमआई (सैन्य खुफिया) और कश्मीर में गश्त लगाए बैठे आईएसआई एजेंटों के बीच हुई बातचीत से पता चला है कि वह भारतीय सीमा पर तैनात जवानों के राशन में जहर मिलाने की योजना बना रहे हैं.

अलर्ट पर जम्मू कश्मीर पुलिस और अधिकारी

यह नोट जम्मू कश्मीर के पुलवामा हमले के कुछ दिन बाद आया है, जिससे अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है. नोट मिलने के बाद से ही अधिकारियों ने अब सभी शिविरों के राशन डिपो की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा है. इसके अलावा भारतीय सेना के लिए देशभर में बनाए गए राशन के स्टॉक की सुरक्षा की दोबारा से जांच करने के लिए कहा गया है, ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो.

पुलवामा में हुआ था आतंकी हमला

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पुलवामा सीआरपीएफ को आतंकियों ने निशाना बनाया था. इसमें भारतीय सेना के 40 जवान शहीद हो गए थे. भारतीय सेना के काफिले पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी.

LoC पर पाकिस्तान ने फिर की गोलाबारी, तीन ग्रामीणों की मौत, दो घायल

जम्मू.

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा शुक्रवार को भारी गोलाबारी की गई जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने मोर्टार के गोले तथा भारी गन से आम नागरिकों के इलाकों को निशाना बनाया. भारतीय बलों ने इसका करारा जवाब दिया.

उन्होंने कहा कि पुंछ जिले के सलोत्री में भारी गोलाबारी में, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया. इलाके के कई घरों में गोले आकर गिरे. उन्होंने कहा कि गोलाबारी में रूबाना कौसर (24), उनका बेटा फजान (5) और नौ महीने की बेटी शबनम की मौत हो गई. रूबाना का पति मोहम्मद यूनिस घायल हो गया.

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, पुंछ जिले के मनकोट इलाके में पाकिस्तानी बलों की गोलीबारी में नसीम अख्तर नाम की महिला घायल हो गई. सलोत्री और मनकोट के अलावा पुंछ जिले के कृष्णाघाटी और बालाकोट इलाकों में भी गोलाबारी हुई. यह लगातार आठवां दिन है जब पाकिस्तानी बलों ने राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का उल्लंघन किया है.

गुरुवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में नियंत्रण रेखा के पास छह सेक्टरों में आम नागरिकों के इलाकों और अग्रिम चौकियों को निशाना बनाकर की गई पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में एक महिला की मौत हो गई और एक जवान घायल हो गया था. भारतीय सेना ने पाकिस्तान के इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया था.

पाकिस्तानी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 60 से ज्यादा बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया. पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर में पुंछ, राजौरी, जम्मू और बारामुला जिलों में 70 असैन्य और सीमावर्ती इलाकों को निशाना बनाया जिसमें एक महिला की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए.

मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अधिकारियों ने राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा से पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले शैक्षिक संस्थानों को अस्थायी तौर पर बंद करने का आदेश दिया है. उन्होंने सीमा पर रहने वाले सभी निवासियों से अपने घरों के भीतर रहने के लिए कहा है.

J&K: बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, पुलवामा में IED धमाके में 1 नागरिक घायल, निशाने पर थे सुरक्षाबल

नई दिल्ली.

जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकियों ने ब्लास्ट के जरिये सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की कोशिश की है. शनिवार अलसुबह करीब 3 बजे पुलवामा के त्राल के अमलर इलाके में आतंकियों ने आईईडी धमाके को अंजाम दिया है. इसमें एक नागरिक घायल हुआ है. धमाके के बाद जम्मू और कश्मीर पुलिस ने मौके पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है.

बताया जा रहा है कि आतंकी इस ब्लास्ट के जरिये 14 फरवरी की तरह ही सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला करना चाहते थे. लेकिन यह धमाका सुरक्षाबलों के वहां से गुजरने से पहले ही हो गया.

बता दें कि पुलवामा में पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था. इसमें 40 जवान शहीद हुए थे. इसे आतंकी आदिल अहमद डार ने अंजाम दिया था.

वहीं जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक अधिकारी समेत पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए. पास में ही संघर्ष में एक नागरिक भी मारा गया.

उधर, राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास इलाकों में पाकिस्तान की ओर से लगातार आठवें दिन भारी गोलाबारी की गई थी. अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को सुबह कुपवाड़ा जिले के बाबागुंड इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था. उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सु
शुरू कर दी जिसके बाद
कार्रवाई की. आतंकियों ने सुरक्षा बल के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी. इसमें नौ सुरक्षाकर्मी घायल हो गये जिनमें से पांच शहीद हो गए.

आतंकी मसूद के बचाव में फिर उतरा पाकिस्तान, कहा- 'पुलवामा हमले के लिए जैश-ए-मोहम्मद जिम्मेदार नहीं'

विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा कि कुछ लोगों ने जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष आतंकियों से संपर्क किया लेकिन उन्होंने इस हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया.

नई दिल्ली .

पाकिस्तान ने एक बार? फिर आतंकवाद का समर्थन किया है. पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने विदेश मीडिया से कहा है कि 14 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले के लिए जैश-ए-मोहम्मद जिम्मेदार नहीं है. उनका कहना है कि इस हमले की जिम्मेदारी जैश ने नहीं ली है. इस मामले में कुछ कंफ्यूजन है. कुरैशी ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान में मौजूद कुछ लोगों ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष आतंकियों से संपर्क किया लेकिन उन्होंने इस हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया.

कुरैशी ने इस बात पर भी कंफ्यूजन जताया कि जैश-ए-मोहम्मद ने पुलवामा हमले की जिम्मेदारी पहले ही ले ली थी. उसने इसके लिए बाकायदा प्रेस विज्ञप्ति जारी की थी. बता दें कि 14 फरवरी को पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे. इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी. इसके बाद पाकिस्तान ने पुलवामा हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर में स्थित मुख्यालय को मदरसा बताया था. साथ ही उसका कहना है कि इसका आतंकवाद से कोई भी नाता नहीं है. पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि यह जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय नहीं है, बल्कि मदरसा है. भारत अपने प्रोपेगैंडा के तहत इसे जैश का मुख्यालय बता रहा है.

पाकिस्तान जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय को नियंत्रण में लेने वाले अपने दावे से भी मुकर गया है. सोशल मीडिया में जारी एक वीडियो संदेश में फवाद चौधरी ने कहा है कि पंजाब सरकार ने बहावलपुर स्थित मदरासतुल साबिर और जामा-ए-मस्जिद सुभानअल्लाह को प्रशासनिक नियंत्रण में लिया है. यह हमारे नेशनल एक्शन प्लान का हिस्सा है.

पाकिस्तान ने शनिवार को स्थानीय पत्रकारों को बहावलपुर में दोनों परिसरों का मौका मुआयना करवाया और कहा कि यह सिर्फ एक मदरसा है, जैश-ए-मोहम्मद से इसका कोई भी नाता नहीं है. बहावलपुर के डिप्टी कमिश्नर शाहजेब सईद ने भी कहा है कि इन स्थलों का जैश-ए-मोहम्मद के चीफ आतंकी मसूद अजहर से कोई नाता नहीं है.

बता दें कि पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने शुक्रवार को बताया था, ''पंजाब सरकार ने बहावलपुर स्थित जेईएम मुख्यालयों को अपने नियंत्रण में ले लिया है.'' मंत्री ने कहा था कि पंजाब सरकार ने बहावलपुर में दो परिसरों को अपने नियंत्रण में लिया है और उसके कामकाज को देखने के लिए अपना एक प्रशासक नियुक्त किया है. बहावलपुर लाहौर से 400 किमी दूर है. दोनों परिसरों में फिलहाल 70 शिक्षक और 600 छात्र हैं.

उधमपुर में भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत, ड्राइवर के शॉर्टकट लेने की वजह से हुई घटना

इस सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने बचाव काम शुरू किया.

उधमपुर/जम्मू:

जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल बताए जा रहे हैं. शनिवार सुबह उधमपुर जिले से श्रीनगर जा रही एक बस के सड़क के फिसल जाने के कारण हुआ.

अधिकारियों ने बताया कि हादसा आधीरात के करीब सुरिनसर के पास चंदेह गांव में हुआ. चालक ने वाहन पर से संतुलन खो दिया जिसके बाद वह फिसलकर खड्ड में गिर गई. उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर राष्टीय राजमार्ग पर पाबंदी के कारण यातायात पुलिस से बचने के लिए चालक ने कथित रूप से कोई और रास्ता पकड़ लिया था. पुलिस ने जम्मू-कश्मीर राष्टीय राजमार्ग को शनिवार को जम्मू से श्रीनगर जाने वाले लोगों के लिए खोल दिया था. यह मार्ग बारिश और बर्फबारी के बाद हुए भूस्खलन के कारण कई दिनों से बंद था. उन्होंने बताया कि तत्काल बचाव अभियान शुरू कर दिया गया.

मौके पर पहुंची बचाव की टीम

इस सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने बचाव काम शुरू किया. एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रेस्क्यू के दौरान 5 लोग मृत अवस्था में पाए गए, जबकि 32 लोग गंभीर रूप से घायल थे. घायलों को तुरंत इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल जम्मू ले जाया गया. घायलों के अस्पताल पहुंचते ही एक और शख्स को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

आंत के सूक्ष्मजीव मनोदशा को प्रभावित करते हैं

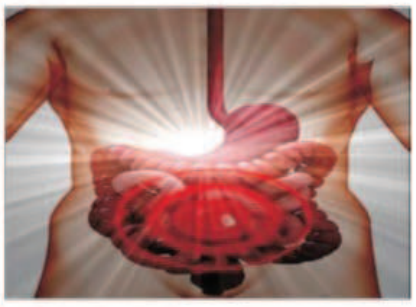

व्यक्ति की आंत व अन्य ऊतकों में बैक्टीरिया का संसार स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। लेकिन मस्तिष्क पर इसके प्रभाव सबसे अधिक हो सकते हैं

व्यक्ति की आंत व अन्य ऊतकों में बैक्टीरिया का संसार स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। लेकिन मस्तिष्क पर इसके प्रभाव सबसे अधिक हो सकते हैं। युरोप के दो बड़े जनसमूहों के एक अध्ययन में पाया गया है कि अवसादग्रस्त लोगों की आंत में बैक्टीरिया की कई प्रजातियां मौजूद नहीं होती हैं। बैक्टीरिया की अनुपस्थिति किसी बीमारी की वजह से हो या यह अनुपस्थिति किसी बीमारी को जन्म देती हो लेकिन तथ्य यह है कि आंत के कई बैक्टीरिया द्वारा बनाए गए पदार्थ तंत्रिकाओं के कार्य और मिज़ाज को प्रभावित करते हैं।

पूर्व में किए गए कुछ छोटे-छोटे अध्ययनों में पाया गया था कि अवसाद की दशा में आंत के बैक्टीरिया की स्थिति में बदलाव आता है। इस अध्ययन को बड़े समूह पर करने के लिए कैथोलिक विश्वविद्यालय, बेल्जियम के सूक्ष्मजीव विज्ञानी जीरोन रेस और उनके सहयोगियों ने %सामान्यसूक्ष्मजीव संसार के आकलन के लिए 1054 बेल्जियम नागरिकों को चुना। इनमें 173 लोग अवसाद से ग्रसित रहे थे या जीवन की गुणवत्ता के सर्वेक्षण में उनकी हालत घटिया पाई गई थी। इसके बाद टीम ने अन्य प्रतिभागियों से इनके सूक्ष्मजीव संसार की तुलना की। इस अध्ययन में स्वस्थ लोगों की तुलना में अवसाद ग्रस्त लोगों के सूक्ष्मजीव संसार में दो प्रकार के बैक्टीरिया (कोप्रोकॉकस और डायलिस्टर) नहीं पाए गए। शोधकर्ताओं ने अवसादग्रस्त लोगों में क्रोह्न रोग के लिए ज़िम्मेदार माने जाने वाले बैक्टीरिया की वृद्धि भी देखी।

अक्सर एक आबादी में सूक्ष्मजीव संसार सम्बंधी परिणाम अन्य समूहों से मेल नहीं खाते हैं। इसके लिए टीम ने 1064 डच लोगों के सूक्ष्मजीव संसार के आंकड़ों पर भी गौर किया। वहां भी अवसादग्रस्त लोगों में वही दो बैक्टीरिया प्रजातियां नदारद थीं। बैक्टीरिया को मनोदशा से जोड़ने की कड़ी को समझने के लिए रेस और उनके सहयोगियों ने तंत्रिका तंत्र कार्य के लिए महत्वपूर्ण 56 पदार्थों की एक सूची तैयार की, जिनका उत्पादन या विघटन आंत के बैक्टीरिया करते हैं।

मसूद : चीन की परीक्षा का समय

पुलवामा हमले के बाद आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर पर बैन लगाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने पेश किया है। भारत मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित कराने का प्रस्ताव कई वर्षों से पेश कर रहा है, मगर हर बार चीन ने रोड़ा लगा दिया है। इस बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन की भी परीक्षा होनी है। अगर उसने विरोध किया, तो वह भी बेपर्दा हो जाएगा।

भारत जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिबंध लगाने की कोशिशों में एक अरसे से जुटा है, जिसमें अक्सर चीन की ओर से अड़ंगा डाला जाता रहा है। पुलवामा हमले के बाद एक बार फिर उसे सुरक्षा परिषद में प्रतिबंधित किए जाने का मुद्दा उठा है और भारत को इस दिशा मे एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली है, जब सुरक्षा परिषद के तीन स्थाई सदस्यों ने मसूद अजहर को बैन करने के लिए नया प्रस्ताव पेश किया है। सुरक्षा परिषद के तीन स्थाई सदस्यों- अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए बुधवार को सुरक्षा परिषद में यह प्रस्ताव पेश किया। अगर सुरक्षा परिषद से यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो मसूद की वैश्विक यात्रा पर प्रतिबंध लग जाएगा और उसकी संपत्ति भी जब्त की जा सकेगी। सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति 10 कामकाजी दिवस के भीतर इस पर विचार करेगी।

मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए पिछले 10 वर्षों में यह चौथा प्रयास है। इसके लिए सबसे पहले भारत ने 2009 में प्रस्ताव पेश किया था। इसके बाद 2016 में भी भारत पी-3 देशों (अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस) के साथ मिलकर मसूद अजहर को प्रतिबंधित करने के लिए प्रस्ताव लाया था। 2017 में भी पी-3 देशों ने इस आशय का प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन हर बार पाकिस्तान के परंपरागत मित्र चीन ने इस पर वीटो कर दिया, जो सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य है। अब देखना यह है कि इस बार चीन का क्या रुख होता है। पी-3 देशों ने यह प्रस्ताव ऐसे समय में पेश किया है, जब 14 फरवरी को ही पुलवामा में सीआरपीएफ वाहनों के काफिले पर हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली है, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। भारत ने इसके बाद 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के टेरर कैंप पर एयर स्ट्राइक भी किया और दुनिया के देशों को बताया कि आखिर यह क्यों जरूरी हो गया था।

भारत ने स्पष्ट किया है कि यह स्ट्राइक आतंकी कैंपों को ही निशाना बनाकर की गई और इसमें सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया गया। साथ ही इसका भी ख्याल रखा गया कि इस कार्रवाई में नागरिक हताहत न हों। भारत ने साफ किया कि यह कार्रवाई इसलिए की गई, ताकि आतंकियों को देश में और अधिक हमले से रोका जा सके। जवाब में पाकिस्तान ने अगले दिन भारत के सैन्य कैंपों को निशाना बनाने के लिए अपने लड़ाकू विमान भेजे, जिन्हें भारतीय वायुसेना ने पीछे जाने पर न सिर्फ मजबूर किया, बल्कि एक को मार गिराया। सेना की इस कार्रवाई में एक पायलट पाकिस्तान के कब्जे में चला जरूर गया, मगर भारत की सख्ती के बाद उसे वापस करना पड़ा। पुलवामा हमले के बाद भारत को जिस तरह एक के बाद एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिल रही है, वह बताती है कि भारत ने पाकिस्तान पर दबाव की पराकाष्ठा पार कर ली है। अब उसे सबक सिखाना शेष है।

बहरहाल, अभी मसूद अजहर की करें तो उस पर बैन लगना लगभग तय है। अभी जिस तरह के हालात हैं कि उसमें चीन कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगा कि वह पाकिस्तान का हितैषी बने और दुनियाभर की आंखों की किरकिरी भी बने। संयुक्त राष्ट्र में चीन दिखाने की कोशिश जरूर करेगा, ताकि पाकिस्तान को लगे कि वह उसका खास दोस्त है, मगर जिस तरह के हालात हैं, उसमें वह कुछ कर नहीं पाएगा। पाकिस्तान इतना बेवकूफ देश है कि वह चीन की इस चाल को समझेगा नहीं और अपने देश की धरती पर उसे मनमानी करने का मौका पहले की ही तरह देता रहेगा। जबकि भारत लगातार पाक को यह समझाने की कोशिश में लगा है कि पीओके में चीन के निर्माण कार्यों से पाकिस्तान एक समय सब कुछ गंवा बैठेगा। दरअसल, भारत चाहता है कि पाकिस्तान पीओके में चीन को एक हद से बाहर जाने से रोके। पीओके में चीन का जितना दखल बढ़ेगा, उतना भारत के लिए बेहतर नहीं होगा। वहीं पीओके में लगातार दखल बढ़ाने के मकसद से ही चीन पाकिस्तान की काली करतूतों पर पर्दा डालने के साथ संयुक्त राष्ट्र में मसूद अजहर पर वैश्विक आतंकी घोषित करने की राह में रोड़ा बनता है।

अब अगर जैश सरगना को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मुहर लग जाती है तो फिर वह कहीं यात्रा नहीं कर सकेगा। संपत्ति जब्त हो जाएगी और हथियारों की पहुंच भी उस तक नहीं हो सकेगी। सुरक्षा परिषद से बैन लगने के बाद संयुक्त राष्ट्र के सभी देश अपने घरेलू मैकेनिज्म में भी संबंधित आतंकी पर प्रतिबंध लगाते हैं। इस प्रस्ताव के पारित होने पर दुनिया भर के देशों में अजहर की एंट्री प्रतिबंधित हो जाएगी। इसके अलावा उसको किसी भी तरह की आर्थिक गतिविधि की भी इजाजत नहीं होगी। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को उसके फंड्स को फ्रीज करना होगा। फाइनेंशल एसेट्स, इकोनॉमिक रिसोर्सेज को पूरी तरह सीज करना होगा। अपने देश में मौजूद किसी भी संपत्ति को जब्त करना होगा और संबंधित व्यक्ति या उसकी संस्थाओं के आर्थिक संसाधनों को ब्लॉक करना होगा। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े किसी भी देश के लोग आतंकी अजहर को किसी तरह की मदद नहीं पहुंचा सकेंगे। मसूद अजहर पर बैन लगने के बाद वह संयुक्त राष्ट्र संघ के किसी भी सदस्य देश की यात्रा नहीं कर सकेगा। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को अपने हथियारों, उसके निर्माण की तकनीक, स्पेयर पार्ट्स समेत आर्म्स से जुड़े किसी भी आइटम की सेल या फिर उस तक पहुंच को रोकना होगा।

मसूद अजहर पर बैन का प्रस्ताव और पाकिस्तान पर सख्ती का आलम इसलिए है क्योंकि पुलवामा में हुए अब तक के सबसे बड़े आतंकी हमले से भारत और दुनिया के कई देश सकते में हैं। अब यह किसी से छिपा नहीं रह गया है कि इस हमले के पीछे पाक है, भले पाकिस्तान सरकार इसका खंडन कर रही हो। पुलवामा के इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली है और जैश का सरगना मौलाना मसूद अजहर पाक में ही रहता है। इस आतंकवादी संगठन का संचालन पर्दे के पीछे से पाकिस्तान सरकार और आइएसआई ही करती है। दुनिया के ज्यादातर देश पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित कर चुके हैं। यह सब अच्छे से जानते-बूझते भी चीन पाकिस्तान के साथ ही खड़ा है और उसकी आतंकवादी नीतियों और गतिविधियों को खुल कर समर्थन दे रहा है।

हैरान करने वाली बात यह है कि एक तरफ तो चीन भारत के साथ दोस्ती का दम भरता है और दूसरी ओर भारत के कट्टर दुश्मन मसूद अजहर को वह आतंकवादी मानने को तैयार नहीं है। हालांकि पुलवामा हमले की चीन ने निंदा की है, लेकिन यह उसका ढोंग भर है। भले ही चीन वैश्विक मंचों से कहता रहे कि वह आतंकवाद के खिलाफ और भारत के साथ है, लेकिन हकीकत कुछ और ही है। मसूद अजहर के बचाव में चीन का उतरना कोई नई बात नहीं है। जब-जब सुरक्षा परिषद में मसूद अजहर का मामला गया, सदस्य देश भारत के साथ खड़े दिखे और इस पक्ष में रहे कि मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित किया जाना चाहिए। इस बार परीक्षा चीन की भी है।

■ सौम्या कुलश्रेष्ठ
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

सम्पादकीय

ओआइसी में भारत के बढ़ते कद और पाकिस्तान को नजरअंदाज करने का मिला प्रमाण

ओआइसी संगठन ने पाकिस्तान की धमकी को नजरअंदाज कर यह बता दिया कि इस्लामी देश पाकिस्तान को एक सीमा से अधिक अहमियत देने को तैयार नहीं।

यह बहस तो अभी लंबी खिंचेगी कि पाकिस्तान मूलतः किन कारणों से भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान को आनन-फानन रिहा करने पर सहमत हो गया, लेकिन इसमें कोई संशय नहीं कि उसे इस्लामी देशों के सबसे बड़े समूह ओआइसी यानी इस्लामिक सहयोग संगठन में मुंह की खानी पड़ी। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि इस संगठन ने पाकिस्तान की नाराजगी और यहां तक कि आयोजन के बहिष्कार की उसकी धमकी की भी अनदेखी कर यह सुनिश्चित किया कि अतिथि वक्ता के तौर पर भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज उसके मंच को अवश्य संबोधित करें। उन्होंने ऐसा ही किया। इसी के साथ इस पर मुहर लग गई कि खुद इस्लामी देश पाकिस्तान को एक सीमा से अधिक अहमियत देने को तैयार नहीं। उनके रवैये ने भारत के बढ़ते कद को ही प्रमाणित किया।

यह इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि एक समय पाकिस्तान के विरोध के चलते भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मोरक्को में इस संगठन के समारोह में शिरकत नहीं करने दी गई थी। दरअसल तब पाकिस्तान ने जिद पकड़ ली थी कि यदि भारतीय दल को अनुमति दी गई तो वह आयोजन का बहिष्कार कर देगा। वक्त ने करवट ली और अब हालत यह है कि अबुधाबी में उसके विरोध को दरकिनार कर दिया गया।

यह सही है कि हाल के समय में भारत ओआइसी में भागीदारी करने का इच्छुक नहीं रहा और अभी भी यह साफ नहीं कि भारतीय नेतृत्व इस संगठन में अपनी भावी भूमिका को लेकर क्या सोच रहा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि पाकिस्तान इसकी अनदेखी करे कि भारत के इस्लामी देशों से संबंध सदियों पुराने हैं। इन संबंधों और भारत में मुसलमानों की बड़ी आबादी के कारण ही भारत को मोरक्को में निमंत्रित किया गया था। पाकिस्तान को यह वैसे ही नहीं सुहाया था जैसे अब यह नहीं भाया कि भारतीय विदेश मंत्री ओआइसी के मंच से बोलें।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कमजोर पड़ने के साथ ही विश्व स्तर पर बदनाम हो रहे पाकिस्तान को ओआइसी के मौजूदा नेतृत्व से बदलते जमाने के साथ चलना सीखना चाहिए, लेकिन शायद उसने न सुधरने की ठान ली है। यदि ऐसा नहीं है तो फिर क्या कारण है कि वह एक ओर शांति का संदेश देने के लिए विंग कमांडर अभिनंदन को छोड़ने का फैसला करता है और दूसरी ओर ओआइसी में भारतीय विदेश मंत्री के संबोधन को सुनने के लिए तैयार नहीं होता? इससे यही पता चलता है कि पाकिस्तान भारत के प्रति अपने बैर को छोड़ने के लिए तैयार नहीं। इसीलिए उससे सतर्क रहना होगा।

अभिनंदन को छोड़ने का उसका फैसला यह नहीं साफ करता कि वह आतंक का साथ छोड़ने को तैयार है। वह यह काम इसलिए आसानी से नहीं करने वाला, क्योंकि उसे लगता है कि भारत को आतंकवाद के जरिये ही झुकाया जा सकता है।

इस मुगालते से ग्रस्त होने के कारण ही मुंबई हमले के गुनहगार उसके यहां छुट्टा घूम रहे हैं। इमरान खान को शांति का मसीहा करार देने वाले यह समझे तो बेहतर कि एक तो जैश जैसे संगठन उनके लिए वोट जुटाने का काम कर चुके हैं और दूसरे वह पाकिस्तान के असली शासक नहीं हैं।

आलेख

दुनिया से अलग-थलग पड़ता पाक

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले अमेरिका को पाक से दूर किया। अब एयर स्ट्राइक करके उसकी नकारात्मक कूटनीतिक व सामरिक रणनीति की हवा निकल दी है। वैश्विक परिस्थितियां आज भारत के पक्ष में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ। भारत द्वारा पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद दुनिया के किसी भी देश ने भारत की भूमिका पर सवाल नहीं दागा है और न ही पाकिस्तान का समर्थन किया है। यह भारत के लिए असाधारण उपलब्धि है।

पुलवामा में हुए हमले के प्रतिकार स्वरूप भारत द्वारा पाक संरक्षित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक और भीषण तबाही के उपरांत अमेरिका, चीन, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और फ्रांस ने पाकिस्तान को ताकीद किया है कि वह अपनी धरती पर पसरे आतंकियों को खत्म करे। इससे साफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी धारदार कूटनीति से पाकिस्तान को दुनिया से अलग-थलग कर दिया है। भारत के एयर स्ट्राइक को जहां दुनिया सुरक्षात्मक कदम के तौर पर बता रही है वहीं पाकिस्तान को नसीहत भी दे रही है कि वह आतंकी संगठनों को फंडिंग करने से बाज आए। उधर, संयुक्त राष्ट्र में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने प्रस्ताव पेश कर दिया है। इस घेराबंदी से लाचार पाकिस्तान की बोलती बंद है और अब वह भारत के साथ शांति की अपील कर रहा है। दरअसल पाकिस्तान को अब अच्छी तरह समझ में आ गया है कि अगर वह भावावेश में भारत पर प्रहार करता है तो फिर उसे दुनिया के नक्शे से मिटने के लिए भी तैयार होना होगा।

पाकिस्तान को ध्यान रखना होगा कि कारगिल को मिलाकर वह अब तक चार बार भारत से युद्ध कर चुका है लेकिन हर बार उसे ही मुंह की खानी पड़ी है। भारत ने उसे ऐसे गहरे जख्म दिए हैं कि वहां की पीढ़ियों को दशकों तक करारी हार का दर्द सालता रहेगा। पूर्वी पाकिस्तान के रूप में बांग्लादेश के जन्म को पाकिस्तान को भूलना नहीं चाहिए। अगर वह पुनः भारत से युद्ध करने की हिमाकत करता है तो उसे अपने देश के कई टुकड़े देखने के लिए तैयार रहना होगा। खौफ के साए में सिमटे पाकिस्तान को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि कश्मीर मसले पर अब भारत किसी भी हद तक जाने को तैयार है। ऐसे में पाकिस्तान को अच्छी तरह अहसास हो जाना चाहिए कि अगर वह भारत से टकराने की जिद पर अड़ा रहता है तो बलूचिस्तान, सिंध और पीओके से उसे हाथ धोना पड़ सकता है। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि भारत से भिड़ने के लिए उसके पास परमाणु बम को छोड़कर न तो भारत जैसे विनाशक हथियारों का जखीरा है और न ही अर्थव्यवस्था ही युद्ध के लायक है। उसका कुल रक्षा बजट जहां 11 अरब डॉलर है वहीं भारत का रक्षा बजट उससे पांच गुना अधिक 58 अरब डॉलर है। पाकिस्तान के पास कुल सक्रिय सैनिकों की संख्या 6.53 लाख है वहीं भारत के पास 14 लाख से अधिक है।

अन्य मामलों में भी पाकिस्तान भारत की तुलना में बहुत पीछे है। फिर भारत से मुकाबला उसकी सेहत के लिए खतरनाक होगा। तथ्य यह भी है कि आज की तारीख में वैश्विक परिदृश्य में पाकिस्तान की कोई सुनने वाला नहीं है। दुनिया अच्छी तरह अवगत है कि पाकिस्तान आतंकियों का प्रश्रयदाता देश है। अभी गत वर्ष ही दिसंबर-2018 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान स्वयं कहते सुने गए थे कि 26 नवंबर-2008 के मुंबई हमले को लश्कर-ए-तैयबा ने अंजाम दिया। यानी उनके कहने का मतलब यह हुआ कि मुंबई हमले की साजिश रचने से लेकर आतंकियों को प्रशिक्षण और उनको भारत में प्रवेश कराने तक का सारा कार्य पाक की भूमि पर ही किया गया। इमरान खान से पहले नवाज शरीफ ने भी यह स्वीकारा था कि मुंबई हमला उनके ही देश के आतंकियों की काली करतूत है। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि फिर पाकिस्तान किस मुंह से अंतरराष्ट्रीय मंचों से अपने को बेगुनाह और भारत को दोषी ठहराएगा।

यह ध्यान देना होगा कि आतंकियों को प्रश्रय देने के कारण ही वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को ग्रे सूची में शामिल किया है। गौरतलब है कि जिन देशों को ग्रे सूची में शामिल किया जाता है उन देशों की फंडिंग रोकने के बजाए उस पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, लेकिन पुलवामा हमले में जिस तरह पाकिस्तान की संलिप्तता उजागर हुई है और अगर भारत इसका पुख्ता सबूत पेश करता है तो फिर वित्तीय कार्रवाई कार्य बल पाकिस्तान की फंडिंग रोकने पर विचार कर सकता है। उधर, अमेरिका पहले ही पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ घोषित कर उसे दी जाने वाली दो हजार 250 करोड़ रुपए की सहायता पर रोक लगा रखी है। वह भी कहा है कि जब तक वह अपनी जमीन पर आतंकवादी संगठनों के खिलाफ असरदार कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक उसे सैन्य आर्थिक मदद नहीं दी जाएगी। याद होगा अमेरिकी कांग्रेस की सालाना रिपोर्ट 2016 से भी उद्घाटित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंकवाद पर दोहरा रुख अपनाते हुए लश्कर और जैश ए मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को मदद पहुंचा रहा है। जबकि अमेरिका द्वारा 2009 से अब तक उसे चार अरब अमेरिकी डॉलर यानी 300 अरब की मदद दी जा चुकी है। लेकिन सच्चाई है कि इसके बावजूद भी पाकिस्तान आतंकी समूहों को मदद देना बंद नहीं किया है।

अगर भारत वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान की पोल खोलता है तो फिर उसके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक समेत अनेक वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से कर्ज मिलना मुश्किल होगा। फिर मूडी, एसएंडपी, और फिच जैसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां उसकी साख गिराएंगी और उसकी माली स्थिति जमींदोज होते देर नहीं लगेगी। पाक को ध्यान रखना होगा कि अब अमेरिका व चीन अब उसके हिमायती बनने से रहे। इसका प्रमुख कारण यह है कि अमेरिका की भारत से निकटता बढ़ी है और चीन भारत को नजरअंदाज कर पाकिस्तान की खुलकर बगलगीरी नहीं कर सकता। एक वक्त जरूर था जब चीन के जतन से अमेरिका पाकिस्तान का हिमायती बना था। तब सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर काबिज होने के दौरान तत्कालीन नेता डेंग शियाओपिंग ने अमेरिका को दक्षिण एशिया में स्थिरता के नाम पर अपने पक्ष में कर लिया था। चीन ने तब पाकिस्तान के खुफिया परमाणु कार्यक्रम को नजरअंदाज करने के लिए अमेरिका को मना लिया था। साथ ही तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का झुकाव सोवियत संघ की ओर बताते हुए भारत की सहायता को बचने को कहा था।

अमेरिका की पाक नीति क्या रही है इससे समझने के लिए कुछ बातों पर गौर करना होगा। मसलन 1954 में अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ सैनिक समझौता करके बहुत अधिक मात्रा में सैन्य सामग्री दी थी जिसका उपयोग उसने 1965 एवं 1971 के युद्ध में किया। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने अमेरिका के इस कदम का जबरदस्त विरोध किया था, लेकिन अमेरिका ने उनके विरोध को तवज्जो नहीं दी। अमेरिका पाकिस्तान के कितना निकट था, वह इसी से समझा जा सकता है कि मई-1965 में प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने जब अमेरिकी राष्ट्रपति जॉनसन के निमंत्रण पर वहां की यात्रा का कार्यक्रम बनाया, उसी समय पाक के अयूब खान के दौरे के कारण अमेरिका ने अपना निमंत्रण वापस ले लिया। यही नहीं जब भी कभी प्रतिबंधों की बात आई है तो अमेरिका ने पाक के साथ भारत पर भी रोक लगाई है। यानी उसके पलड़े पर भारत और पाक बराबर रहे। अफ-पाक नीति के तहत भी अमेरिका ने पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा किया और उसे आर्थिक मदद मुहैया कराई।

लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की धारदार कूटनीति ने पाक के असली चेहरे को बेनकाब कर अमेरिका को उससे न सिर्फ दूर किया है बल्कि अमेरिकी संसद के जरिए भारत और अमेरिका के अपरिहार्य संबंधों को भी निरूपित किया है। यह मानने में हर्ज नहीं कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में पाक को पहले जैसे न तो अमेरिका से करोड़ों डॉलर की आर्थिक सहायता मिलने वाली है और न ही महत्वपूर्ण लड़ाकू विमान। इससे उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और जनता में विद्रोह बढ़ता जाएगा।

■ अरविंद जयतिलक
(वरिष्ठ पत्रकार)

फिर. फिर.. फिर... 'हेरा फेरी 3' आने को तैयार, इस बार होगा बड़ा ये सरप्राइज!

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉक बस्टर 'हेरा फेरी' वो फिल्म है जिसे आज भी लोग बहुत चाव से देखते हैं और ठहाके लगा कर हंसते हैं। इस फिल्म कील लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म निर्देशक इंद्र कुमार ने 'फिर हेरा फेरी' बनाई और इस फिल्म ने भी रिकॉर्ड तोड़ कमाई की और दर्शकों को खूब हंसाया... अब फिल्म के डायरेक्टर इंद्र कुमार ने 'हेरा फेरी 3' बनाने की प्लानिंग कर ली हैं और साथ ही आपके लिए बेहतरीन सरप्राइज का इंतजाम भी कर लिया हैं। परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की जोरदार तिकड़ी एक बार फिर से अपनी शरारतों के साथ आपको लोटपोट करने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से 'हेरा फेरी 3' को लेकर खबरें आ रही थीं। लेकिन अब यह फिल्म बहुत जल्द ही फ्लोर पर आने वाली है।

डायरेक्टर इंद्र कुमार ने अपने ताजा इंटरव्यू में बताया है कि वो 'हेरा फेरी 3' को बहुत बड़े स्तर पर बनाएंगे. हमारे सहयोगी डीएनए अखबार को दिए एक इंटरव्यू में इंद्र कुमार कहा, 'मुझे खुशी है कि राजू, श्याम और बाबूराव आप्टे बड़े पर्दे पर वापस आ रहे हैं। इंद्र कुमार ने बताया, 'हेरा फेरी 3' पहली दो फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आने वाली है. मुझे वीएफएक्स का चस्का चढ़ गया है। टोटल धमाल में हमने काफी सारा वीएफएक्स यूज किया था और हेरा फेरी 3 में भी हम इसका भरपूर यूज करने के इरादे में हैं।'

पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने पर रणवीर सिंह ने दिया रिऐक्शन

पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव की स्थिति के बाद ऑल इंडिया सिने वर्कर्स ऐसोसिएशन के साथ ही कई सितारों ने पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने और उनके साथ कोई भी प्रॉजेक्ट नहीं करने की अपील की है। इस अपील का कई कलाकार समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। अब इस मामले में रणवीर सिंह का भी रिऐक्शन सामने आया है।

रणवीर ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि एक तबका ऐसा है जो इस सोच पर विश्वास करता है कि आर्ट्स और स्पोर्ट्स को इन मुद्दों के साथ मिक्स नहीं करना चाहिए। आर्टिस्ट और स्पोर्ट्समैन सैनिकों की तरह बलिदान नहीं देते और उनकी तरह स्थितियों का सामना भी नहीं करते। कला और खेल एक अलग क्षेत्र है और इसकी सीमाओं को अलग ही बनाए रखना चाहिए। हालांकि, यदि किसी सैनिक की मां यह मानती है कि कलाकारों और खिलाड़ियों को इस स्थिति में (पाकिस्तानी कलाकारों और खिलाड़ियों के साथ) संग में काम नहीं करना चाहिए तो सभी को इसका पालन करना चाहिए।

बता दें कि, तनाव के बीच भारतीय फिल्मों और कंटेंट पर पाकिस्तान में बैन लगा दिया गया था। इस दौरान भारत में भी पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने व वीजा नहीं देने की मांग उठी थी। इस मांग के बीच कई डायरेक्टर और प्रड्यूसर पाक आर्टिस्ट्स को अपनी फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा चुके हैं। इनमें से एक सलमान खान भी हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी एक फिल्म में पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम का गाना लिया जाना था, लेकिन उन्होंने अब सिंगर को रिप्लेस कर दिया है। वहीं कई डायरेक्टर्स व प्रड्यूसर्स ने अपनी अपकमिंग फिल्मों के पाकिस्तान में रिलीज को कैंसल कर दिया है।

इम्तियाज अली बनाएंगे 'लव आज कल' का सीक्वल, कार्तिक- सारा की जोड़ी फाइनल

फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली अपनी रोमांटिक ड्रामा ''लव आज कल'' के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। निर्देशक इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर दिनेश विजन से मुलाकात कर रहे हैं। फिल्म में सारा अली खान, कार्तिक आर्यन और रणदीप हुड्डा अहम भूमिकाओं में होंगे। गौरतलब है कि सारा के पिता सैफ अली खान ने 2009 में आई फिल्म में अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण थी।

हाल ही में विजन के मैडडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन की ''लुका छुपी'' में काम करने वाले कार्तिक ने सीक्वल में काम करने की खबरों की पुष्टि की है। अभिनेता ने कहा, ''वह (इम्तियाज) मेरे पसंदीदा फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और मैं हमेशा उनके साथ काम करना चाहता था। मैं खुश हूं कि आखिरकार यह हो रहा है।'' सारा और कार्तिकके एक साथ काम करने की खबर दोनों युवा सितारों के प्रशंसकों के लिए खुशी की बात है। सारा ने करण जौहर के टीवी कार्यक्रम में कार्तिक को पसंद करने की बात स्वीकार की थी। इस सीक्वल की शूटिंग दिल्ली और पंजाब में होगी।

दीपिका पादुकोण के नाम मेघना गुलजार ने लिखा इमोशनल नोट

ऐक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'छपाक' की शूटिंग शुरू करेंगी। दीपिका के इस फिल्म का हिस्सा बनने से मेघना काफी खुश हैं। उन्होंने हाल ही में ऐक्ट्रेस के नाम एक इमोशनल नोट लिखा और बताया कि उन्हें उम्मीद ही नहीं थी कि वह इस प्रॉजेक्ट के लिए हामी भरेंगी लेकिन जो हुआ उसने मेघना का पल भर में दिल जीत लिया।

मेघना गुलजार ने दीपिका पादुकोण के लिए जो लिखा उसे ऐक्ट्रेस की वेबसाइट पर भी शेयर किया गया है। अपने नोट में मेघना ने बताया कि दीपिका से जब उन्होंने मिलने के लिए कहा वह पल उनके लिए बेहद खास था। 'दीपिका से मिलना नसीब की बात थी। उनसे मुलाकात से पहले मेरे मन में कई तरह के ख्याल चल रहे थे कि शायद मैं उनके लिए जिस तरह की फिल्म का ऑफर लेकर जा रही हूं उसे वह करने को तैयार न हों। और वह तैयार नहीं थीं। लगातर तीन इंटेंस फिल्में करने के बाद वह अब लाइटर मूड की फिल्में करना चाहती थीं। लेकिन मेरे पास उनके लिए लाइट और रोमांटिक स्क्रिप्ट नहीं थी। मेरी फिल्म की कहानी तो ऐसी महिला की थी जिसने जीवन में आई चुनौती को अपनी ताकत और हिम्मत से मात दी थी।'

मेघना ने आगे बताया कि फिल्म करने के लिए राजी होने के बाद दीपिका ने उनसे मजाक में क्या कहा था। 'दीपिका इस किरदार के लिए मुझे परफेक्ट लगी थीं। स्क्रिप्ट सुन दीपिका ने पल भर में ही फिल्म, किरदार और मुझे स्वीकार कर लिया। उन्होंने मजाक में कहा कि वह इस किरदार को इसलिए करने के लिए तैयार हुईं क्योंकि उन्हें एक सीन में लाल मिर्च और नमक के साथ कैरी खाने का मौका मिलेगा।' 'अमेरिकन लेखिका मित्रा थॉमस एंट्रीम के शब्दों में खूबसूरत महिला नजरों को अच्छी लगती है, समझदार महिला दिमाग को और साफ दिल महिला आत्मा को खुशी देती है... और दीपिका ये सभी हैं। इसके अलावा उन में बच्चों जैसा एक दिल भी है जो कैरी खाने के एक्सपीरियंस को इंजॉय करेगा।'

बता दें कि, मेघना गुलजार की फिल्म 'छपाक' ऐसिड अटैक पीड़िता लक्ष्मी की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म में दीपिका लक्ष्मी के रोल में नजर आएंगी।

अप्रैल में शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा?

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के रिलेशनशिप के चर्चे पिछले काफी समय से हैं। इस कपल को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है। अर्जुन और मलाइका केवल इवेंट पर ही नहीं बल्कि साथ विदेश घूमने जा चुके हैं साथ ही इन्हें डिनर डेट, मूवी डेट्स और पार्टियों में साथ देखा गया है।

अब ऐसी चर्चा है कि यह कपल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहा है। बता दें कि पिछले काफी समय से यह खबर सामने आ रही है कि मलाइका और अर्जुन ने लोखंडवाला की पॉश सोसायटी में एक अपार्टमेंट भी खरीद लिया है और अभी इसके इंटीरियर का काम चल रहा है।

हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो अर्जुन और मलाइका अपने रिलेशनशिप को अगले लेवल तक ले जाना चाहते हैं और जल्द ही शादी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों अप्रैल में क्रिस्चन रीति-रिवाज से शादी कर सकते हैं। हालांकि अभी तक कुछ भी कन्फर्म नहीं है। अब देखना है कि फैन्स को इनकी शादी कब देखने को मिलती है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर इस समय आशुतोष गोवारिकर की 'पानीपत' में काम कर रहे हैं जबकि मलाइका को पिछली बार विशाल भारद्वाज की फिल्म 'पटाखा' के एक गाने में देखा गया था।

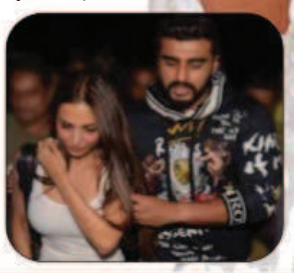

पद्म विभूषण से सम्मानित ये मशहूर गायक कब्रिस्तान में किया करते थे रियाज

पद्म विभूषण से सम्मानित भारतीय शास्त्रीय गायन के क्षेत्र में जाने-माने नाम उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का कहना है कि लड़कपन में वह कब्रिस्तान में रियाज करते थे ताकि खुलकर गा सकें और किसी को कोई परेशानी भी ना हो। पुत्र-वधू नम्रता गुप्ता खान के साथ मिलकर लिखे गए अपने संस्मरण 'ए ड्रीम आई लिव्ड एलोन' के लांच पर 87 वर्षीय खान ने याद किया कि कैसे उन्होंने देर से बोलना शुरू किया और उनके मां-बाप ने उनके मुंह से पहला शब्द सुनने के लिए क्या-क्या जतन किए।

किताब का प्रकाशन पेंग्विन रैंडम हाउस ने किया है। पीटीआई के साथ साक्षात्कार में उन्होंने अपनी जिंदगी के बारे में तमाम खट्टी-मिट्ठी बातें साझा कीं। उन्होंने अपनी किताब में भी तमाम बातों का जिक्र किया है। कब्रिस्तान में रियाज के बारे में पूछने पर उस्ताद ने बताया कि उस वक्त उनकी उम्र करीब 12 बरस रही होगी। डर और झिझक से बचने के लिए वह वहां गाया करता था। उन्होंने कहा कि उनके उस्ताद रोजाना दोपहर के खाने के बाद नींद लिया करते थे और उनसे घर जाकर रियाज करने को कहते थे।

लेकिन रियाज के लिए घर सही नहीं था क्योंकि वहां बहुत शोर-गुल था। उन्होंने बताया, 'कब्रिस्तान बिलकुल सुनसान और सही जगह था मेरी रियाज के लिए। मुझे किसी का डर नहीं था। मैं खुलकर गा सकता था।' उत्तर प्रदेश के बदायूं में तीन मार्च, 1931 को जन्मे उस्ताद खान सात भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। उस्ताद खान के पिता उस्ताद वारिस हुसैन खान और दादा मुर्रेद बख्श भी हिन्दुस्तानी संगीत/गायन के उस्ताद हुआ करते थे।

फिल्म 'अंधाधुन' में निभाए किरदार के लिए तब्बू को मिलेगा ये बड़ा अवॉर्ड

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म अंधाधुन में कमाल का अभिनय करने वाली अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर से चर्चा में हैं। 17 वें वार्षिक इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ लॉस एंजिलिस (आईएफएफएलए) की शुरुआत फिल्म 'अंधाधुन' से होगी। साथ ही इसमें अभिनय करने वाली दिग्गज अभिनेत्री तब्बू को सम्मानित किया जाएगा।

'अस्तित्व','मकबूल', 'हैदर' ,'द नेमसेक' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी हिट फिल्मों में अभिनय करने वाली तब्बू काफी अंतराल बाद बड़े पर्दे पर दिखाई दी हैं। आईएफएफएलए के कार्यकारी निदेश क्रिस्टीना मारूदा ने कहा, ''हम तब्बू को सम्मानित करने के लिए लंबे समय से विचार-विमर्श करते आ रहे हैं और इस वर्ष हमें लगा कि यह एकदम सही समय है।'' उन्होंने कहा,''उनके काम और व्यक्तित्व में वह सब कुछ है जो आईएफएफएलए का गुण है- निडर, प्रतिभाशाली, समझौता नहीं करने वाली और बेहद खूबसूरत।''

मोदी आज से दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर

पीएम मोदी का विजेता नायक की तरह होगा गुजरात में स्वागत

अहमदाबाद एयरपोर्ट से शहर के मुख्य मार्गों तक लोग हाथों में तिरंगा लेकर उनका जोरदार अभिवादन करेंगे

अहमदाबाद, ३ मार्च ।

पाकिस्तान पर दूसरी सफल सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पहली बार गुजरात आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत विजेता सेनानायक की तरह होगा । अहमदाबाद एयरपोर्ट से शहर के मुख्य मार्गों तक लोग हाथों में तिरंगा लेकर उनका जोरदार अभिवादन करेंगे । राजभवन में गुजरात के चुनाव प्रभारी ओम माथुर उन्हें प्रदेश की सीटों की वस्तुस्थिति की जानकारी देंगे । प्रधानमंत्री मोदी आज यानी चार मार्च से दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर आ रहे हैं । सोमवार को प्रधानमंत्री वस्त्राल में मेट्रो ट्रेन फेज-१ का तथा असारवा सिविल अस्पताल में नवनिर्मित भवन को उद्घाटन करेंगे । यह गुजरात की पहली मेट्रो ट्रेन होगी, जो वस्त्राल से अपेरल पार्क तक छह किलोमीटर के रूट पर चलेगी । मंगलवार को वस्त्राल में ही प्रधानमंत्री श्रमिक पेंशन योजना कार्यक्रम में शिरकत करेंगे । जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में

सीआरपीएफ के जवानों पर आत्मघाती हमले के बाद वायुसेना की पाक अधिग्रहीत कश्मीर में की गई सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पहली बार अपने ग्रह प्रदेश गुजरात आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के भव्य स्वागत के लिए लोग आतुर हैं । भाजपा भी मोदी के इस स्वागत की जोर-शोर से तैयारियां कर रही है । सरदार पटेल एयरपोर्ट से लेकर शहर के प्रमुख मार्गों पर मोदी के कटआउट व सेना को बधाई वाले बैनर, पोस्टर लगाएंगे । वहीं, महिला पुरुष व बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर प्रधानमंत्री मोदी का उत्साहपूर्वक अभिवादन करेंगे । सोमवार रात्रि प्रधानमंत्री मोदी गांधीनगर राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे । लोकसभा चुनाव के लिए गुजरात प्रभारी व सांसद ओम माथुर उन्हें गुजरात की सभी लोकसभा सीटों की वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। बीते १५ दिनों से माथुर गुजरात के विविध जिलों में घूमकर भाजपा संगठन, मतदान केंद्र, शक्ति केंद्र, विस्तारक योजना आदि की समीक्षा कर रहे हैं । गुजरात की सभी २६ लोकसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। माथुर सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, प्रभारी व कोर ग्रुप के सदस्यों से मिलकर एक एक सीट के जमीनी गणित को समझने का प्रयास कर चुके हैं । माथुर १५ लोकसभा सीटों के क्लस्टर सम्मेलन भी कर चुके हैं, ताकि आम जनता का मूड भी समझा जा सके। पीएम मोदी को वे एक प्रजेंटेशन के जरिए गुजरात के राजनीतिक हालात से अवगत कराएंगे । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, प्रदेश अध्यक्ष जीतूभाई वाघाणी, संगठन महासचिव भिखू भाई दलसाणिया के अलावा गुजरात से केंद्र में मंत्री भी मौजूद होंगे ।

अहमदाबाद शहर के रखियाल में स्थित चकुडिया महादेव के शिव मंदिर में महाशिवरात्री के एक दिन पहले साफ-सफाई का काम शुरू किया गया ।

अन्नपूर्णाधाम में भव्य जलयात्रा और शोभायात्रा निकाली गई

अहमदाबाद,३ मार्च । अडालज-कोबा रोड पर लेउवा पाटीदारों के स्वाभिमान और गर्व के समान विश्व का प्रथम, सबसे बड़ा और करोड़ों रुपयों के खर्च से तैयार हुए आधुनिक पंचत्व, अन्नपूर्णाधाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ५ मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा तब इसके तहत रविवार को अन्नपूर्णा माताजी की भव्य शोभायात्रा और जलयात्रा अडालज गांव से निकाली गई थी । बड़ी संख्या में बहनों और बेटियों ने अडालज गांव की ऐतिहासिक कुआं से पानी लेकर अन्नपूर्णाधाम के पूजा स्थल पर जलयात्रा लाई गई थी । इसके साथ अडालज स्वामीनारायण मंदिर से सजाये गये रथ में अन्नपूर्णामाताजी की दिव्य मूर्ति के अलावा अंबा माता, खोडियार माता, हनुमानजी, गणेश भगवान, यमदेव, वरूण देव, और ईन्द्र देव की मूर्तियों को भी सैकड़ों भक्तों और ग्रामीणों द्वारा बैंड-बाजा के साथ जुलूस के साथ अन्नपूर्णाधाम के निजमंदिर में लायी गई ।

बड़े पैमाने पर बिजली खरीदकर लूट की गई

उच्च दर पर बिजली खरीदी में करोड़ों का घोटाला : कांग्रेस

अहमदाबाद,३ मार्च ।

गुजरात सरकार की बिजली उत्पादन कंपनी के और चार इकाई बंद करके निजी बिजली ज्यादा खरीदकर करोड़ों रुपये का लाभ लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री ने बारबार निजी बिजली कंपनियों के मालिकों के साथ किया गया सांठगांठ भाजपा सरकार के घोटालों का जवाब मांगते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने बताया कि बिजली उत्पादन के १५ वर्ष में १८,१२८ मेगावाट की वृद्धि के दावे के सामने सच्चाई में ऊर्जा विभाग ने आरटीआई में दिए गए जवाब में २३ वर्ष में सरकारी बिजली केन्द्रों की उत्पादन क्षमता ८६०१ मेगावाट है । वर्ष २०१६-१७ में सरकारी बिजली केन्द्र में प्लांट लोड फेक्टर २९.४० फीसदी के अनुसार सिर्फ २५०० मेगावाट करीब है। सरकारी बिजली केन्द्रों को कम बिजली क्षमता (लोड फेक्टर) से चलाकर सरकार की तिजोरी को करोड़ों रुपये का चुना लगा है । कांग्रेस शासन में वर्ष १९९३-९४ में सरकारी बिजली केन्द्रों की क्षमता ४३४५ मेगावाट थी और सरकारी बिजली केन्द्र औसत ६१.४ फीसदी के साथ कार्यरत थे । कांग्रेस शासन में बिजली उत्पादन में स्वावलंबी था जबकि भाजपा शासन में पिछले चार वर्ष में सरकारी बिजली केन्द्रों की उत्पादन क्षमता सिर्फ ३१ फीसदी पहुंच गई और दूसरी तरफ निजी बिजली कंपनी से पिछले चार वर्ष में ३२,३९५ करोड़ की बिजली खरीदी की गई है । भाजपा के गुजरात सरप्लस पावर स्टेट होने के जो दावे हुए सच्चाई में गुजरात पूरे देश में बिजली खरीदी में पावर परचेस स्टेट नंबर है। वर्ष २००२ से २०१७ के दौरान गुजरात सरकार ने निजी बिजली कंपनी अदानी-एस्सार, टाटा और चाइना लाइटस सहित की कंपनियों के पास से ७०,७१५ करोड़ की बिजली खरीदी करके निजी बिजली कंपनियों को मुनाफा कराकर दिया । भाजपा सरकार ने अपने २३ वर्ष के शासन में जनता के नाम पर निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को ज्यादा कमाकर दिया है । पावर पर्चेस एग्रीमेंट प्रतियूनिट बिजली खरीदी की कीमतें बताई गई है इसकी अपेक्षा उच्च कीमत पर बिजली खरीदी करके ४१०० करोड़ रुपये की रकम बिजली कंपनियों को भुगतान करके बड़ा घोटाला किया है । गुजरात सरकार ने अदानी पावर, एस्सार पावर तथा टाटा पावर के साथ वर्ष २००७ में २५ वर्ष के लिए पावर पर्चेस एग्रीमेंट प्रतियूनिट बिजली खरीदी की कीमतें बताई गई है जिसकी अपेक्षा उच्च कीमत पर बिजली खरीदी की गई है यानी कि अदानी पावर से ३.३० प्रतियूनिट, एस्सार पावर के पास से ३.३६ रुपये प्रतियूनिट और टाटा पावर से २.६३ प्रतियूनिट से खरीदी की जाती है। गुजरात सरकार ने उपरोक्त कंपनियों के साथ किए गए करार के अनुसार जो कीमत प्रति यूनिट देना था इसकी अपेक्षा भी एस्सार पावर को १८५१ करोड़, अदानी पारव को १०४४ करोड़ और टाटा पावर को ११६४ करोड़ अतिरिक्त रुपये चुकाये गया है । गुजरात हाई पावर कमेटी ने पहले के वर्षों की अदानी पावर, एस्सार पावर तथा टाटा पावर को चुकाये गये गुजरात सरकार ने उच्च कीमत की जांच किए बिना सुप्रीम कोर्ट को ११ अप्रैल, २०१७ के फैसले के विरूद्ध ८५ पैसे की कीमत वृद्धि देने की जो सिफारिश करने देने का निश्चित किया गया है यह गुजरात के १.४ करोड़ बिजली ग्राहकों के लिए अनुचित तथा निजी बिजली कंपनियों को करोड़ों का आर्थिक लाभ और गुजरात की तिजोरी को नुकसान कराने का है भाजपा सरकार तथा हाई पावर कमेटी की सिफारिश का पोल खोलता है ।

विश्व स्तरीय की हाईटेक और सुपरस्पेशलिटी सेवाएं

आज सिविल कैम्पस में आधुनिक मेडिसीटी का मोदी द्वारा लोकार्पण

२ हजार करोड़ खर्च से महिला, बाल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कैंसर, आंख और दांत की हॉस्पिटल तैयार

अहमदाबाद,३ मार्च ।

गुजरात सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग संचालित मेडिसीटी (सिविल हॉस्पिटल कैम्पस, अहमदाबाद) में श्रेष्ठ उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ नवनिर्मित महिला, बाल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कैंसर हॉस्पिटल (जीसीआरआई), आंख की होस्पिटल दांत की हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह ४ मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शाम को ४.३० बजे आयोजित किया जाएगा । जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, स्वास्थ्य राज्यमंत्री किशोर कानाणी, भाजपा के सांसद किरीटसिंह सोलंकी, परेश रावल सहित के महानुभाव उपस्थित होंगे । करीब २ हजार करोड़ रुपये के खर्च से तैयार हुई यह महिला, बाल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कैंसर हॉस्पिटल, आंख की हॉस्पिटल और दांत की हॉस्पिटल और उनके रिश्तेदारों के लिए आशीर्वाद समान बना रहेगा यह सिविल होस्पिटल के मेडिकल सुप्रीटेन्डन्ट डॉ. एमएम. प्रभाकर ने बताया । इस मामले में सिविल होस्पिटल के मेडिकल सुप्रीटेन्डन्ट डॉ. एमएम. प्रभाकर ने आगे बताया कि, मेडिसीटी (सिविल होस्पिटल कैम्पस अहमदाबाद) में श्रेष्ठ उपचार के लिए आधुनिक साधन-सुविधाओं के साथ कई विश्व स्तरीय अस्पताल नवनिर्मित की गई है, जिसे सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकार्पण किया जाएगा । महिला, बाल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में महिला और बच्चों के लिए ६०० बेड उपलब्ध होंगे, जिसमें १०० एनआईसीयू बेड भी शामिल है । जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, स्वास्थ्य राज्यमंत्री किशोर कानाणी, भाजपा के सांसद किरीटसिंह सोलंकी, परेश रावल सहित के महानुभाव उपस्थित होंगे । करीब २ हजार करोड़ रुपये के खर्च से तैयार हुई यह महिला, बाल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कैंसर हॉस्पिटल, आंख की हॉस्पिटल और दांत की हॉस्पिटल और उनके रिश्तेदारों के लिए आशीर्वाद समान बना रहेगा यह सिविल होस्पिटल के मेडिकल सुप्रीटेन्डन्ट डॉ. एमएम. प्रभाकर ने बताया । इसके अलावा सुपरस्पेशलिटी के लिए ६०० बेड, पीडियाट्रीक सर्जरी, न्यूरो मेडिसीन, न्यूरो सर्जरी, सीटीवीएएस, एंडोक्राइनोलोजी, स्पाइन एंड जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी, जीरियाट्रिक, स्पोर्टस मेडिसीन, रूमेटोलोजी का उपचार, २७ मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, पूरी तरह से ओटोमेटेड सीएसएसडी (ऑपरेशन के साधनों,कपड़े आदि जंतु रहित करने की सुविधा) मरीजों और उनके रिश्तेदारों को उपचार उपलब्ध होगा । इसी प्रकार से कैंसर हॉस्पिटल (जीसीआरआई) में ५०० बेड वाली सुविधा और उपचार उपलब्ध होगी ।

सौराष्ट्र सहित के क्षेत्रों में ओले को लेकर फसल नष्ट

शहर सहित राज्यभर में ओले की स्थिति : किसान चिंता में

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर सहित उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र -कच्छ क्षेत्रों सहित राज्य के मौसम में रविवार को उल्लेखनीय बदलाव आया और मौसम बादल छाया रहा इसके साथ बूंदाबांदी बारिश के साथ ओले की स्थिति पैदा हो गई । गर्मी की शुरुआत होने जा रही है तब मौसम में बदलाव के साथ हुए ओले की वजह से राज्य के किसान चिंता में डूब गये । क्योंकि ओले को लेकर किसानों के गेहूं, चना, जीरा, आम, पपीता, मकई सहित के फसल को भारी नुकसान होने की संभावना रही है, जिसे लेकर अब किसान चिंता में डूब गये । अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में रविवार को बादल छाया मौसम और ओले की स्थिति को लेकर ठंड का प्रमाण बढ़ गया। हालांकि, राज्य के कई क्षेत्र साफ और खुला आकाशवाला रहा । राजस्थान में पैदा हुए अपर एयर साइक्लोनिक सकर्युलेशन सिस्टम की वजह से गुजरात राज्य के मौसम में भी उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला । विशेष करके अहमदाबाद शहर सहित उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र -कच्छ के अधिकतर क्षेत्र सोमवार को मौसम और ओली की स्थिति में देखने को मिला । राजकोट-मोरबी सहित के सौराष्ट्र के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ ओले की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसकी वजह से सौराष्ट्र के किसान चिंतित हो गये । इसी प्रकार से उत्तर गुजरात में मेहसाणा, अरवल्ली सहित के क्षेत्रों में बादलछाया मौसम के साथ ओले की छिटपुट असर देखने को मिली । ओले के बाद अब किसानों को अपने और गेहूं, चना, जीरा, आम, पपीता, मकई सहित के फसल को नुकसान होने की चिंता हो रही है ।

नवरंगपुरा जैन देरासर के पास दीक्षा को लेकर जुलूस का आयोजन किया गया ।

शामलाजी के पास अहमदाबाद एनसीबी ने १२ किलो चरस पकड़ा

अहमदाबाद । अहमदाबाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों ने रविवार को एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन में अरवल्ली जिला के शामलाजी से १२ किलो चरस के जत्थे का बड़ा कंसाइनमेन्ट पकड़ा गया । इतना बड़ा चरस का जत्था पकड़े जाने से एक समय में एनसीबी के अधिकारी भी स्तब्ध हो गये । दूसरी तरफ, घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । विशेष करके ड्रग माफिया और मादक पदार्थों की तस्करी करते असामाजिक तत्वों में दहशत फैल गई । एनसीबी के अधिकारियों ने गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न प्रावधान और धारा के तहत अपराध दर्ज करके कार्रवाई शुरू की गई है । अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में चरस यह जत्थे की कीमत लाखों रुपये में होती होने का अधिकारी मान रहे है, इसी वजह से अब एनसीबी के अधिकारी चरस का यह जत्था कहां से लाये थे और किसे देना था तथा पूरा चेन-नेटवर्क को लेकर भी जांच शुरू कर दी है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों को पुख्ता जानकारी मिली थी कि, अरवल्ली जिला के शामलाजी के पास छत्तीसगढ़ की पार्सींग एक कार में चरस का जत्था ले जा रहे है, इसी वजह से एनसीबी के अधिकारियों ने स्टाफ के साथ शामलाजी के पास निगरानी रखी गई । पुलिस की मदद से पूरा इलाके पर कड़ी नजर रखी गई थी ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)